



|| श्री गणेशाय नमः ||

## राशिफल

Pradnya Kardak

28/12/2003 22:00

Mulund West

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

# बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

## बुनियादी विवरण

|               |                    |
|---------------|--------------------|
| जन्म की तारीख | 28/12/2003         |
| जन्म का समय   | 22:00              |
| जन्म स्थान    | Mulund West        |
| अक्षांश       | 19.1758825         |
| देशान्तर      | 72.9521193         |
| समय क्षेत्र   | 5.5                |
| अयनांश        | 23.917131137367672 |
| सूर्योदय      | 07:12:00           |
| सूर्यास्त     | 18:04:59           |

## घटक चक्र

|                  |                                       |
|------------------|---------------------------------------|
| महीना            | गुरु                                  |
| तिथि             | 3 (तृतीया), 8 (अष्टमी), 13 (त्रयोदशी) |
| विपरीत लिंग लग्न | धनु                                   |
| नक्षत्र          | आर्द्र                                |
| भगवान            | मंगल                                  |
| समलिंगी लग्न     | मिथुन                                 |
| Tatva            | अग्नि                                 |
| रासी             | धनु                                   |

## पंचांग विवरण

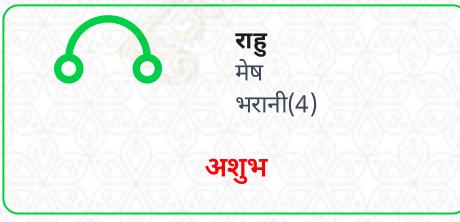
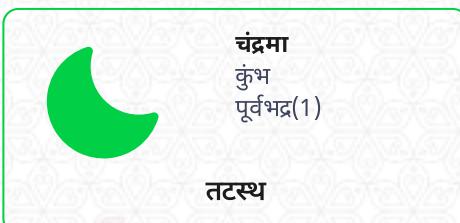
|         |           |
|---------|-----------|
| तिथि    | षष्ठी     |
| योग     | व्यतिपात  |
| नक्षत्र | पूर्वभद्र |
| करण     | तैतुला    |

## ज्योतिषीय विवरण

|                |           |
|----------------|-----------|
| वर्ण           | शूद्र     |
| वास्या         | मानव      |
| योनि           | सिंह      |
| तिथि           | शु.षष्ठी  |
| नक्षत्राधिपति  | बृहस्पति  |
| नक्षत्र        | पूर्वभद्र |
| प्रबल          | सिंह      |
| Tatva          | वायु      |
| करण            | कौलव      |
| नक्षत्र स्वामी | शनि       |
| दलदल           | तांबा     |
| नाम वर्णमाला   | से        |
| रासी           | कुंभ      |
| नाड़ी          | वात       |

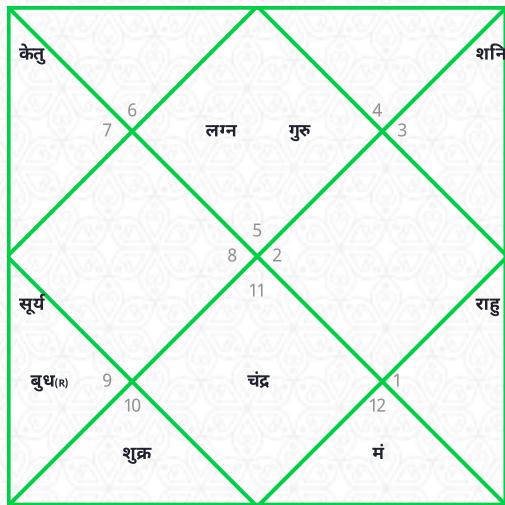
## ग्रहों की स्थिति

| ग्रहों   | आर    | संकेत              | डिग्री   | साइन लॉड         | नक्षत्र  | नक्षत्राधिपति | घर |
|----------|-------|--------------------|----------|------------------|----------|---------------|----|
| लग्नश    | सिंह  | 125.2922850932562  | सूर्य    | माघ(2)           | केतु     |               | 1  |
| सूर्य    | धनु   | 252.60693714365368 | बृहस्पति | मुला(4)          | केतु     |               | 5  |
| चंद्रमा  | कुंभ  | 322.3797477980384  | शनि      | पूर्वभद्र(1)     | बृहस्पति |               | 7  |
| मंगल     | मीन   | 343.2542532571748  | बृहस्पति | उत्तराभद्र(3)    | शनि      |               | 8  |
| बुध      | धनु   | 248.70246025440508 | बृहस्पति | मुला(3)          | केतु     |               | 5  |
| बृहस्पति | सिंह  | 144.92683317038066 | सूर्य    | पूर्वफाल्गुनी(4) | शुक्र    |               | 1  |
| शुक्र    | मकर   | 285.2370633807741  | शनि      | श्रवण(2)         | चंद्रमा  |               | 6  |
| शनि      | मिथुन | 76.10783165279629  | बुध      | आर्द्र(3)        | राहु     |               | 11 |
| राहु     | मेष   | 23.98906320935313  | मंगल     | भरानी(4)         | शुक्र    |               | 9  |
| केतु     | तुला  | 203.98906320935311 | शुक्र    | विशाखा(2)        | बृहस्पति |               | 3  |

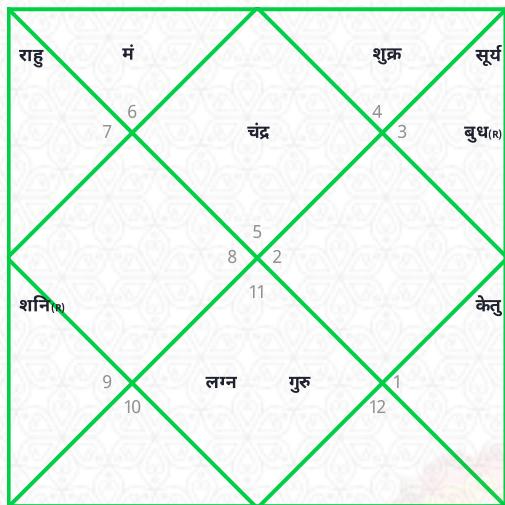


## राशिफल चार्ट

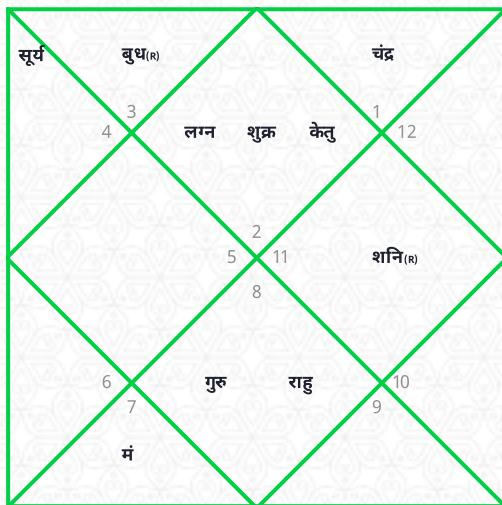
### लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)



लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली



नवमांश चार्ट(D9)

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

## समग्र मैत्री तालिका

### स्थायी मित्रता

| ग्रहों    | सूर्य  | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध    | बृहस्पति | शुक्र  | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| सूर्य     | --     | दोस्त   | --        | तटस्थ  | दोस्त    | दुश्मन | --       |
| चंद्रमा   | दोस्त  | --      | --        | दोस्त  | तटस्थ    | तटस्थ  | --       |
| मंगल ग्रह | दोस्त  | दोस्त   | --        | दुश्मन | दोस्त    | तटस्थ  | --       |
| बुध       | दोस्त  | दुश्मन  | --        | --     | तटस्थ    | दोस्त  | --       |
| बृहस्पति  | दोस्त  | दोस्त   | --        | दुश्मन | --       | दुश्मन | --       |
| शुक्र     | दुश्मन | दुश्मन  | --        | दोस्त  | तटस्थ    | --     | --       |
| शनि ग्रह  | दुश्मन | दुश्मन  | --        | दोस्त  | तटस्थ    | दोस्त  | --       |

### अस्थायी मित्रता

| ग्रहों    | सूर्य  | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध    | बृहस्पति | शुक्र  | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| सूर्य     | --     | दोस्त   | --        | दुश्मन | दुश्मन   | दोस्त  | --       |
| चंद्रमा   | दोस्त  | --      | --        | दोस्त  | दुश्मन   | दोस्त  | --       |
| मंगल ग्रह | दोस्त  | दोस्त   | --        | दोस्त  | दुश्मन   | दोस्त  | --       |
| बुध       | दुश्मन | दोस्त   | --        | --     | दुश्मन   | दोस्त  | --       |
| बृहस्पति  | दुश्मन | दुश्मन  | --        | दुश्मन | --       | दुश्मन | --       |
| शुक्र     | दोस्त  | दोस्त   | --        | दोस्त  | दुश्मन   | --     | --       |
| शनि ग्रह  | दुश्मन | दुश्मन  | --        | दुश्मन | दोस्त    | दुश्मन | --       |

## समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

| ग्रहों    | सूर्य        | चंद्रमा      | मंगल ग्रह | बुध          | बृहस्पति | शुक्र        | शनि ग्रह |
|-----------|--------------|--------------|-----------|--------------|----------|--------------|----------|
| सूर्य     | --           | अंतरंग       | --        | दुश्मन       | तटस्थ    | तटस्थ        | --       |
| चंद्रमा   | अंतरंग       | --           | --        | अंतरंग       | दुश्मन   | दोस्त        | --       |
| मंगल ग्रह | अंतरंग       | अंतरंग       | --        | तटस्थ        | तटस्थ    | दोस्त        | --       |
| बुध       | तटस्थ        | तटस्थ        | --        | --           | दुश्मन   | अंतरंग       | --       |
| बृहस्पति  | तटस्थ        | तटस्थ        | --        | कट्टर दुश्मन | --       | कट्टर दुश्मन | --       |
| शुक्र     | तटस्थ        | तटस्थ        | --        | अंतरंग       | दुश्मन   | --           | --       |
| शनि ग्रह  | कट्टर दुश्मन | कट्टर दुश्मन | --        | तटस्थ        | दोस्त    | तटस्थ        | --       |

## विंशोत्तरी दशा - 1

| बृहस्पति |                 | शनि      |                 | बुध      |               |
|----------|-----------------|----------|-----------------|----------|---------------|
| शुक्र    | अप्रैल 18 2003  | शुक्र    | फरवरी 28 2020   | मंगल     | जुलाई 20 2038 |
| शनि      | फरवरी 25 2017   | शुक्र    | फरवरी 22 2036   | रवि      | फरवरी 16 2053 |
| बृहस्पति | अप्रैल 18 2003  | शनि      | फरवरी 28 2020   | बुध      | जुलाई 20 2038 |
| शनि      | अक्टूबर 29 2005 | बुध      | नवंबर 06 2022   | केतु     | जुलाई 17 2039 |
| बुध      | फरवरी 03 2008   | केतु     | दिसंबर 16 2023  | शुक्र    | मई 16 2042    |
| केतु     | जनवरी 09 2009   | शुक्र    | फरवरी 14 2027   | सूर्य    | मार्च 22 2043 |
| शुक्र    | सितंबर 09 2011  | सूर्य    | जनवरी 27 2028   | चंद्रमा  | अगस्त 20 2044 |
| सूर्य    | जून 27 2012     | चंद्रमा  | अगस्त 27 2029   | मंगल     | अगस्त 17 2045 |
| चंद्रमा  | अक्टूबर 27 2013 | मंगल     | अक्टूबर 06 2030 | राहु     | मार्च 05 2048 |
| मंगल     | अक्टूबर 03 2014 | राहु     | अगस्त 11 2033   | बृहस्पति | जून 10 2050   |
| राहु     | फरवरी 25 2017   | बृहस्पति | फरवरी 22 2036   | शनि      | फरवरी 16 2053 |

| केतु     |                | शुक्र    |                | सूर्य    |                 |
|----------|----------------|----------|----------------|----------|-----------------|
| मंगल     | जुलाई 15 2053  | रवि      | जून 17 2063    | शुक्र    | मई 31 2080      |
| सोम      | फरवरी 16 2060  | रवि      | फरवरी 11 2080  | सोम      | फरवरी 11 2086   |
| केतु     | जुलाई 15 2053  | शुक्र    | जून 17 2063    | सूर्य    | मई 31 2080      |
| शुक्र    | सितंबर 14 2054 | सूर्य    | जून 16 2064    | चंद्रमा  | नवंबर 30 2080   |
| सूर्य    | जनवरी 20 2055  | चंद्रमा  | फरवरी 14 2066  | मंगल     | अप्रैल 07 2081  |
| चंद्रमा  | अगस्त 21 2055  | मंगल     | अप्रैल 16 2067 | राहु     | मार्च 02 2082   |
| मंगल     | जनवरी 17 2056  | राहु     | अप्रैल 15 2070 | बृहस्पति | दिसंबर 19 2082  |
| राहु     | फरवरी 03 2057  | बृहस्पति | दिसंबर 13 2072 | शनि      | दिसंबर 01 2083  |
| बृहस्पति | जनवरी 10 2058  | शनि      | फरवरी 12 2076  | बुध      | अक्टूबर 06 2084 |
| शनि      | फरवरी 19 2059  | बुध      | दिसंबर 12 2078 | केतु     | फरवरी 11 2085   |
| बुध      | फरवरी 16 2060  | केतु     | फरवरी 11 2080  | शुक्र    | फरवरी 11 2086   |

## विंशोत्तरी दशा - 2

| चंद्रमा             |                     | मंगल              |                   | राहु                  |                    |
|---------------------|---------------------|-------------------|-------------------|-----------------------|--------------------|
| गुरु दिसंबर 12 2086 | शुक्र फरवरी 10 2096 | रवि जुलाई 08 2096 | शनि फरवरी 10 2103 | शुक्र अक्टूबर 23 2105 | गुरु फरवरी 06 2121 |
| चंद्रमा             | दिसंबर 12 2086      | मंगल              | जुलाई 08 2096     | राहु                  | अक्टूबर 23 2105    |
| मंगल                | जुलाई 13 2087       | राहु              | जुलाई 26 2097     | बृहस्पति              | मार्च 17 2108      |
| राहु                | जनवरी 11 2089       | बृहस्पति          | जुलाई 02 2098     | शनि                   | जनवरी 21 2111      |
| बृहस्पति            | मई 13 2090          | शनि               | अगस्त 11 2099     | बुध                   | अगस्त 09 2113      |
| शनि                 | दिसंबर 12 2091      | बुध               | अगस्त 08 2100     | केतु                  | अगस्त 27 2114      |
| बुध                 | मई 12 2093          | केतु              | जनवरी 04 2101     | शुक्र                 | अगस्त 26 2117      |
| केतु                | दिसंबर 11 2093      | शुक्र             | मार्च 06 2102     | सूर्य                 | जुलाई 21 2118      |
| शुक्र               | अगस्त 11 2095       | सूर्य             | जुलाई 12 2102     | चंद्रमा               | जनवरी 20 2120      |
| सूर्य               | फरवरी 10 2096       | चंद्रमा           | फरवरी 10 2103     | मंगल                  | फरवरी 06 2121      |

### वर्तमान चल रही दशा

| दशा नाम     | ग्रहों | आरंभ करने की तिथि                   | अंतिम तिथि                        |
|-------------|--------|-------------------------------------|-----------------------------------|
| महादशा      | शनि    | मंगल फरवरी 28 2017 रात 12:00 बजे    | गुरु फरवरी 28 2036 रात 12:00 बजे  |
| अंतर्दशा    | शुक्र  | बुध दिसंबर 20 2023 सुबह 11:24 बजे   | गुरु फरवरी 18 2027 रात 11:24 बजे  |
| पर्यातर्दशा | सूर्य  | रवि जून 30 2024 बहुत सवेरे 5:24 बजे | मंगल अगस्त 27 2024 रात 1:12 बजे   |
| शुक्रशमदाशा | राहु   | गुरु जुलाई 11 2024 सुबह 7:23 बजे    | शुक्र जुलाई 19 2024 रात 11:33 बजे |
| प्रणादशा    | शुक्र  | मंगल जुलाई 16 2024 शाम 8:58 बजे     | गुरु जुलाई 18 2024 सुबह 7:39 बजे  |

\* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शती हैं।

## लग्न रिपोर्ट

### लग्न रिपोर्ट : सिंह



विशेषताएँ

स्थिर, उग्र, पूर्व

भाग्यशाली रत्न

माणिक

भगवान्

सूर्य

प्रतीक

शेर

उपवास का दिन

रविवार

|ॐ भास्कराय विद्महे महाद्युतिकराय धीमहि तत्त्वो आदित्यः प्रचोदयात् ॥

एक सिंह लग्न के रूप में, आप हमेशा अपने लोगों के चारों ओर राजसी दिखना चाहेंगे। मजबूत सिंह लग्न के तहत पैदा हुए लोगों के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित और सभ्य घर होता है और उनके अच्छे दोस्त होते हैं और अपने बच्चों के लिए बहुत प्यार और स्नेह रखते हैं और लेना पसंद करेंगे अपने माता-पिता की अच्छी देखभाल। आप कम खाते हैं और अधिक बात करते हैं। आप एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में सामने आएंगे। यदि आपके संयोजन अनुकूल नहीं हैं तो यह आपके खिलाफ काम करेगा।

आपका अंतर्निहित आत्मविश्वास और रचनात्मक स्वभाव आपको एक स्वाभाविक नेता के रूप में चमकाते हैं। आप पहचान चाहते हैं और अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 5 गृह मे है। आप या तो एक अहंकारी (या) उच्च शिक्षित और एक बुद्धिमान व्यक्ति (या) दोनों हैं। कुछ मामलों में, आप बहुत स्मार्ट हैं लेकिन फिर भी अपनी शिक्षा पर उतना ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते हैं।

# लग्न रिपोर्ट

## आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक खोज में, अपनी रचनात्मक ऊर्जा को आत्म-साक्षात्कार की ओर लगाएं। विनम्रता के साथ आत्मविश्वास को संतुलित करें।

## सकारात्मक लक्षण

करिश्माई

आत्मविश्वासी

उदार

रचनात्मक

## नकारात्मक लक्षण

अहंकारी

जिद्दी

ध्यान आकर्षित करने वाला

हावी होने वाला



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें